

'नासिख' अथवा 'अनियत' शरीर या 'मुतलक' अथवा 'नियत' शरीर का अर्थ क्या है?

नासिख और मंसूख शरीर के आदेशों में विकास का नाम है। मसलन पूर्व के आदेश को लागू करने से रोक देना, बाद में आने वाले किसी आदेश द्वारा उसे बदल देना, मुतलक (अनियत) को मुक़ैयद (नियत) करना या मुक़ैयद को मुतलक करना। यह आदम -अलैहिस्सलाम- के युग से ही पूर्व की शरीरों में प्रचलित है। मसलन आदम -अलैहिस्सलाम- के ज़माना में भाई का अपनी सगी बहन से शादी करना जायज़ था, लेकिन बाद की सारी शरीरों में नाजायज़ हो गया। इसी प्रकार इब्राहीम -अलैहिस्सलाम- एवं उनके पहले की सभी शरीरों में शनिवार के दिन काम करना सही था, फिर मूसा -अलैहिस्सलाम- की शरीर में यह बुरा हो गया। अल्लाह तआला ने बनी इसराईल की बछड़े की इबादत के बाद उन्हें अपने आपकी हत्या करने का आदेश दिया, फिर बाद में उनसे इस आदेश को निरस्त कर दिया। इसके अलावा भी बहुत सारे उदाहरण हैं। एक आदेश को दूसरे आदेश से बदल देना एक ही शरीर में या दो शरीरों के बीच होता रहा है, जैसा कि हमने पिछले उदाहरणों में बयान किया।

उदाहरण स्वरूप, एक डॉक्टर अपने रोगी का एक विशिष्ट दवा द्वारा इलाज करना शुरू करता है और समय के साथ अपने रोगी के इलाज में क्रमशः दवा की खुराक को बढ़ाता या घटाता जाता है। हम उसे हकीम मानते हैं, जबकि अल्लाह के लिए उच्च उदाहरण है। इस्लामी आदेशों में नासिख तथा मंसूख का पाया जाना, दरअसल महान रचनाकार की हिकमत में से है।

© 2026 06:36:34 AM

000000: 000000://000.000000.000/00-000000/00/51/

000000 000000: 000000://000.000000.000/00-000000/00/51/

000000 300 00 000 2026 06:36:34 AM